एम0 ए0 (हिन्दी) प्रथम वर्ष

पाठ्यक्रम

प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर

2013

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ

वाराणसी

एम0ए0 (हिन्दी) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)
प्रथम प्रश्न–पत्र
(प्राचीन काव्य)

पूर्णांक 100

प्रश्न पत्र में चार इकाई होगें। प्रश्न पत्र में इकाईवार अंक विभाजन इस प्रकार है–

इकाई–1	2 व्याख्या – 2X 12	= 24
इकाई–2	2 निबंधात्मक प्रश्न– 2X18	= 36
इकाई–3	4 लघूत्तरी प्रश्न– 4X7	= 28
इकाई–4	4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4X3	= 12

पाठ्य ग्रंथ :

1. **अपभ्रंश चन्द्रोदय (प्रथम कला) :** डॉ0 लक्ष्मीशंकर गुप्त, प्रो0 रामजी शर्मा।
   प्रकाशक : नीलकण्ठ प्रकाशन, सकरकन्द गली, दशाश्वमेध, वाराणसी।
2. **विद्यापति –वाग्वैभव** : डॉ0 रामकुँवर राय।
   (कीर्तिलता एवं पदावली)
   प्रकाशक : संजय बुक सेण्टर, गोलघर, वाराणसी।

—

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. **कीर्तिलता और अवहट्ट** – शिवप्रसाद सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
2. **हिन्दी साहित्य का आदिकाल** – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. **हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान** – नामवर सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
4. **विद्यापति** – शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

एम0ए0 (हिन्दी) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)
द्वितीय प्रश्न–पत्र
(निर्गुण भक्ति काव्य)

पूर्णांक 100

प्रश्न पत्र में चार इकाई होगें। प्रश्न पत्र में इकाईवार अंक विभाजन इस प्रकार है–

इकाई–1 2 व्याख्या – 2X 12 = 24
इकाई–2 2 निबंधात्मक प्रश्न– 2X18 = 36
इकाई–3 4 लघूत्तरी प्रश्न– 4X7 = 28
इकाई–4 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न– 4X3= 12

पाठ्य ग्रंथ :

1. **कबीर** : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (दोहा पद सं0– 160–209)
   प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन नई, दिल्ली।
2. **जायसी ग्रन्थावली** :(मानसरोवर खण्ड, नखशिख खण्ड, नागमती वियोग खण्ड) सं0 रामचन्द्रशुक्ल।
   प्रकाशक : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

——

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. **त्रिवेणी** – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. **कबीर** – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. **जायसी**– विजयदेव नारायण साही।

एम0ए0 (हिन्दी) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

तृतीय प्रश्न–पत्र

(सगुण भक्ति काव्य)

पूर्णांक 100

प्रश्न पत्र में चार इकाई होगें। प्रश्न पत्र में इकाईवार अंक विभाजन इस प्रकार है–

इकाई–1 2 व्याख्या – 2X 12 = 24
इकाई–2 2 निबंधात्मक प्रश्न– 2X18 = 36
इकाई–3 4 लघूत्तरी प्रश्न– 4X7 = 28
इकाई–4 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न– 4X3=12

पाठ्य ग्रंथ :

1. **भ्रमरगीत सार** : (21 से 70 पद) सं0 रामचन्द्र शुक्ल।
   प्रकाशक : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. **रामचरितमानस** (बालकाण्ड– प्रारम्भ के 43 वें दोहे तथा उत्तरकाण्ड– 117–130वें दोहे तक)
   प्रकाशक : गीता प्रेस, गोरखपुर।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. **त्रिवेणी** – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. **सूरसाहित्य** – हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्रकाशन : हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर, मुम्बई।
3. **तुलसी संदर्भ और दृष्टि** – डॉ0 केशव प्रसाद सिंह एवं डॉ0 वासुदेव सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
4. **भक्ति काव्य और लोकजीवन** – शिवकुमार मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम0ए0 (हिन्दी) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)
चतुर्थ प्रश्न–पत्र
(रीतिकाव्य)

पूर्णांक 100

प्रश्न पत्र में चार इकाई होगें। प्रश्न पत्र में इकाईवार अंक विभाजन इस प्रकार है–

इकाई–1 2 व्याख्या – 2X 12 = 24
इकाई–2 2 निबंधात्मक प्रश्न– 2X18 = 36
इकाई–3 4 लघूत्तरी प्रश्न– 4X7 = 28
इकाई–4 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4X3 = 12

पाठ्य ग्रंथ :

1. **बिहारी रत्नाकर** (प्रारम्भिक 50 दोहे) सं0 जगन्नाथदास रत्नाकर।
   प्रकाशक : संजय बुक सेण्टर, गोलघर, वाराणसी।
2. **घनानन्द कवित्त** (1 से 50 तक), सं0 पं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
   प्रकाशक : संजय बुक सेण्टर, गोलघर, वाराणसी।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. **बिहारी की वाग्विभूति** – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेण्टर, वाराणसी।
2. **बिहारी का नया मूल्यांकन** – डॉ0 बच्चन सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद।
3. **घनानंद** – मनोहर लाल।

एम0ए0 (हिन्दी) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

पंचम प्रश्न–पत्र

साहित्य सिद्धान्त

(भारतीय)

पूर्णांक 100

प्रश्न पत्र में चार इकाई होगें। प्रश्न पत्र में इकाईवार अंक विभाजन इस प्रकार है–

इकाई–1 (खण्ड क से)–	2 निबन्धात्मक प्रश्न –	2X 15 = 30
इकाई–2 (खण्ड ख से)	2 निबंधात्मक प्रश्न–	2X15 = 30
इकाई–3 (खण्ड क एवं ख से)	4 लघूत्तरी प्रश्न–	4X7 = 28
इकाई–4 (खण्ड क एवं ख से)	4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–	4X3 = 12

पाठ्य– विषय :

भारतीय साहित्य सिद्धान्त –

खण्ड–क

(क) काव्य– लक्षण, काव्य– हेतु, काव्य–प्रयोजन एवं शब्द शक्ति।

(ख) भारतीय काव्य शास्त्र की परम्परा : परिचयात्मक पर्यवलोकन।

(ग) रस सिद्धान्त : रस सम्प्रदाय का इतिहास, रस का स्वरूप, रस के अंग, रस–निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

खण्ड– ख

(क) अलंकार सिद्धान्त : अलंकार सम्प्रदाय का इतिहास, अलंकार की अवधारणा, मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार एवं अन्य सम्प्रदाय।

(ख) रीति सिद्धान्तः रीति सिद्धान्त का इतिहास, रीति की अवधारणा,रीति एवं गुण, रीति एवं कला, रीतियाँ का भौगोलिक, प्रादेशिक आधार, रीति–भेद, स्थापनाएँ एवं मूल्यांकन।

(ग) ध्वनि सिद्धान्तः ध्वनि सम्प्रदाय का इतिहास, ध्वनि के विविध अर्थ, ध्वनि का मूल स्रोत, ध्वनि की अवधारणा।

(घ) वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति सिद्धान्त का इतिहास,वक्रोक्ति की अवधारणा,वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, वक्रोक्ति एवं अन्य काव्य सिद्धान्त।

.....

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्यशास्त्र कोश : डॉ0 राजवंश सहाय हीरा, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना।
2. समीक्षा दर्शन : डॉ0 रामलाल सिंह (प्रथम एवं द्वितीय भाग), प्र0 इण्डियन प्रेस, प्रयाग।
3. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त : राजवंश सहाय हीरा, चौखम्भा प्रेस, वाराणसी।
4. काव्यशास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र, प्र0 विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. रस–विमर्श : डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी।
6. भारतीय काव्यशास्त्र की नयी व्याख्या : डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी।
7. कविता के प्रतिमान : डॉ0 रवीन्द्र भ्रमर।
8. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र, प्र0 नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
9. भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश–त्र्यम्बक देशपाण्डेय, पापुलर बुक डिपो, मुम्बई।
10. साहित्यालोचन : डॉ0 श्यामसुन्दरदास, इण्डियन प्रेस, प्रयाग।

एम0ए0 (हिन्दी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न–पत्र

आधुनिक काव्य (छायावाद– प्रसाद, पंत)

पूर्णांक 100

प्रश्न पत्र में चार इकाई होगें। प्रश्न पत्र में इकाईवार अंक विभाजन इस प्रकार है–

इकाई–1 2 व्याख्या – 2X 12 = 24
इकाई–2 2 निबंधात्मक प्रश्न– 2X18 = 36
इकाई–3 4 लघूत्तरी प्रश्न– 4X7 = 28
इकाई–4 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न– 4X3 = 12

पाठ्य ग्रंथ :

1. कामायनी (केवल श्रद्धा, लज्जा तथा इड़ा सर्ग) : जयशंकर 'प्रसाद'
2. तारापथ : सुमित्रानन्दन पंत– केवल प्रथम रश्मि का आना रंगिणी, मौन निमंत्रण, परिवर्तन (1, 6, 7, 11, 31 वाँ अंश) द्रुतझरो जगत के जीर्ण पत्र, नौका विहार, ताज, बापू के प्रति, वंशी)।

प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. कामायनी एक पुनर्विचार – गजानन माधव मुक्तिबोध, प्रकाशन : राजकमल, नई दिल्ली।
2. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन – रामस्वरूप चतुर्वेदी प्रकाशन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. सुमित्रानन्दन पंत – डॉ0 नगेन्द्र , नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचन्द्र शाह, नई दिल्ली।
5. छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम0ए0 (हिन्दी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

द्वितीय प्रश्न–पत्र

आधुनिक काव्य (छायावाद– निराला, महादेवी)

पूर्णांक 100

प्रश्न पत्र में चार इकाई होगें। प्रश्न पत्र में इकाईवार अंक विभाजन इस प्रकार है–

इकाई–1 2 व्याख्या – 2X 12 = 24
इकाई–2 2 निबंधात्मक प्रश्न– 2X18 = 36
इकाई–3 4 लघूत्तरी प्रश्न– 4X7 = 28
इकाई–4 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न– 4X3= 12

पाठ्य ग्रंथ :

1. राग – विराग : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'(सरोज स्मृति, राम की शक्ति–पूजा, कुकुरमुत्ता)
   प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. दीपशिखा : महादेवी वर्मा (पंथ होने दो अपरिचित, सब बुझे दीपक जला लूँ जब यह दीप थके आना, यह मन्दिर का दीपक, जो न प्रिय पहचान पाती, मोम सा तन घुल चुका, पूछता क्यों शेष कितनी रात)।
   प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. निराला – नन्ददुलारे वाजपेयी, वाराणसी।
2. निराला की साहित्य –साधना (भाग–3)– रामविलास शर्मा , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. क्रान्तिकारी कवि निराला – डॉ0 बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. महादेवी वर्मा : जगदीश गुप्त, नई दिल्ली।

एम0ए0 (हिन्दी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

तृतीय प्रश्न–पत्र

आधुनिक गद्य (नाटक, निबंध)

पूर्णांक 100

प्रश्न पत्र में चार इकाई होगें। प्रश्न पत्र में इकाईवार अंक विभाजन इस प्रकार है–

इकाई–1	2 व्याख्या –	2X 12 = 24
इकाई–2	2 निबंधात्मक प्रश्न–	2X18 = 36
इकाई–3	4 लघूत्तरी प्रश्न–	4X7 = 28
इकाई–4	4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–	4X3 = 12

पाठ्य ग्रंथ :

नाटक :

1. चन्द्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद, प्रकाशन – भारती प्रेस, लीडर प्रेस, इलाहाबाद।
2. आधे–अधूरे : मोहन राकेश, प्रकाशन – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

निबन्ध :

1. हिन्दी निबन्ध : डॉ0 सुरेन्द्र प्रताप, प्रकाशन– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, नन्द किशोर ब्रदर्स, वाराणसी।
2. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. हिन्दी नाटक का उद्‌भव और विकास : डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली।

एम0ए0 (हिन्दी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

आधुनिक गद्य (उपन्यास एवं कहानी)

पूर्णांक 100

प्रश्न पत्र में चार इकाई होगें। प्रश्न पत्र में इकाईवार अंक विभाजन इस प्रकार है–

इकाई–1 2 व्याख्या – 2X 12 = 24
इकाई–2 2 निबंधात्मक प्रश्न– 2X18 = 36
इकाई–3 4 लघूत्तरी प्रश्न– 4X7 = 28
इकाई–4 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न– 4X3 = 12

पाठ्य ग्रंथ :

उपन्यास :

1. गोदान : प्रेमचन्द।
2. शेखर एक जीवनी (भाग–एक) : अज्ञेय।

कहानी :

1. आधुनिक कहानियाँ : सं0 डॉ0 मुनीन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी उपन्यास :शिवनारायण लाल, प्रकाशन सरस्वती मन्दिर, वाराणसी।
2. .हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद : डॉ0 त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
3. हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग : डॉ0 त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
4. हिन्दी उपन्यास साहित्य में आदर्शवाद : डॉ0 सर्वजीत राय, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. आज की कहानी : विजय मोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. कहानी और कहानी : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. आधुनिकता और मोहन राकेश : डॉ0 उर्मिला मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

एम0ए0 (हिन्दी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

पंचम प्रश्न–पत्र

साहित्य सिद्धान्त

(पाश्चात्य)

पूर्णांक 100

प्रश्न पत्र में चार इकाई होगें। प्रश्न पत्र में इकाईवार अंक विभाजन इस प्रकार है–

इकाई–1 (खण्ड क से)– 2 निबन्धात्मक प्रश्न – 2X 15 = 30
इकाई–2 (खण्ड ख से) 2 निबंधात्मक प्रश्न– 2X15 = 30
इकाई–3 (खण्ड क एवं ख से) 4 लघूत्तरी प्रश्न– 4X7 = 28
इकाई–4 (खण्ड क एवं ख से) 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न– 4X3 = 12

पाठ्य विषय :

पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त–

खण्ड क

क प्लेटो : काव्य सिद्धान्त।

ख अरस्तू : अनुकृति, त्रासदी (ट्रेजडी–परिभाषा और उसके विविध तत्व), विरेचन सिद्धान्त, प्लेटो और अरस्तू के काव्य सिद्धान्त की तुलना।

ग लांजाइनस : काव्य के उदात्त की अवधारणा एवं उसके विविध तत्व।

घ. वर्ड्सवर्थ : काव्य भाषा का सिद्धान्त।

ड कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी।

खण्ड ख

क टी0एस0 इलियट : परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण।

ख आई0ए0 रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धान्त,भाषा के विविध प्रयोग, सम्प्रेषण–सिद्धान्त।

ग **सिद्धान्त और वाद :** (i) स्वच्छन्दतावाद (रोमांटिसिज्म), (ii) शास्त्रीयतावाद, (iii) मार्क्सवादी काव्य–सिद्धान्त (iv) मनोविश्लेषणवादी काव्य–सिद्धान्त, (v) बिम्बवाद (vi) प्रतीकवाद (vii) अस्तित्ववाद (viii) नयी समीक्षा, (ix) साहित्य का समाजशास्त्र।

अनुमोदित सन्दर्भ ग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त : डॉ0 जगदीश प्रसाद मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र परम्परा : डॉ0 नगेन्द्र।
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा।

एम0 ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष

पाठ्यक्रम

तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर

2013

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ

वाराणसी

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)
प्रथम प्रश्न–पत्र
भाषा विज्ञान

पूर्णांक 100

इकाई–1 (खण्ड क से) 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2 X 15 = 30
इकाई–2 (खण्ड ख से) 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2X 15 = 30
इकाई–3 (खण्ड क एवं खण्ड ख) 4 लघूत्तरी प्रश्न 4X7 = 28
इकाई–4 (खण्ड क एवं खण्ड ख) 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4X3 = 12

पाठ्य–विषय **(खण्ड क)**

1. **भाषा–** परिभाषा, तत्व, अंग, प्रकृति, विशेषताएँ (संरचनागत एवं स्वभावगत), भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं, भाषा और वाक्, भाषा के विभिन्न स्तर–भेद–व्यक्ति बोली, विभाषा, मानक भाषा तथा उसके विविध रूप।
2. भाषा विज्ञान – स्वरूप और प्रकृति, विषय–क्षेत्र, अंग, प्रमुख अध्ययन– पद्धतियाँ, वर्णनात्मक तथा तुलनात्मक, ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध।
3 .ध्वनि–विज्ञान– ध्वनि का अर्थ, ध्वनिग्राम तथा संध्वनि, ध्वनि–गुण तथा उसकी उपयोगिता, ध्वनि की उत्पत्ति–प्रक्रिया, वाग्यन्त्र (ध्वनि तंत्र), ध्वनियों का वर्गीकरण, मानस्वर, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण, ध्वनि–नियम ।
4. स्वनिम विज्ञान– स्वरूप, अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमों तथा उपस्वनों का अंकन, स्वनिम वितरण के सिद्धान्त।

(खण्ड ख)

5. रूप विज्ञान– (मारफोलॉजी) : शब्द और रूप (पद), सम्बन्ध तत्व एवं अर्थतत्व, सम्बन्ध तत्व के भेद, शब्द कोटियॉ, व्याकरणिक कोटियॉ।
6 .वाक्य विज्ञान– वाक्य की अवधारणा, तत्व, वाक्य एवं पद का सम्बन्ध, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, वाक्य के निकटस्थ अवयव, गहन संरचना और बाह्य संरचना, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।
7. अर्थ विज्ञान– अर्थ–ज्ञान, महत्त, शब्दार्थ सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण।
8. विश्व की भाषाओं का वर्गीकरण– (क) आकृति मूलक या रूपात्मक (ख) पारिवारिक
9. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान–शैली विज्ञान।

———————

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. सामान्य भाषा विज्ञान : बाबू राम सक्सेना, हिन्दी साहित्य–सम्मेलन, प्रयाग।
2 हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
3. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. तुलनात्मक भाषा विज्ञान : पी0डी0 गुणे, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
5. भाषा विज्ञान : डॉ0 कर्ण सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ।
6. भाषाशास्त्र की रूपरेखा : डॉ0 उदयनारायण तिवारी, भारती–भण्डार इलाहाबाद।
7. शैली विज्ञान : डॉ0 सुरेश कुमार मैकमिलन, नई दिल्ली।
8. शैली विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, नई दिल्ली।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)
द्वितीय प्रश्न–पत्र
(छायावादोत्तर काव्य– दिनकर, अज्ञेय, मुक्तिबोध)

पूर्णांक 100

इकाई–1 2 व्याख्या – 2 X 12 = 24
इकाई–2 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2X 18 = 36
इकाई–3 4 लघूत्तरी प्रश्न 4X7 = 28
इकाई–4 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4X3 = 12

पाठ्य ग्रंथ :

(1.) उर्वशी (केवल तृतीय अंक) : **रामधारी सिंह 'दिनकर'**

(2.) छायावादोत्तर प्रतिनिधि कवि और उनकी कविताएँ : सं0 डॉ0 शंभुनाथ त्रिपाठी, : संग्रह में अज्ञेय और मुक्तिबोध की कविताएँ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. अज्ञेय : सृजन और संघर्ष : डॉ0 रामकमल राय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. अज्ञेय : प्रो0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. अज्ञेय की काव्य चेतना : डॉ0 कृष्णा भावुक, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
4. अज्ञेय की आधुनिक कविता की समस्याएं : प्रो0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
5. मुक्तिबोध : विचारक, कवि,कथाकार, डॉ0 सुरेन्द्र प्रताप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. मुक्तिबोध : प्रतिबद्ध काव्य कला के प्रतीक : चंचल चौहान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
7. मुक्तिबोध की काव्य–प्रक्रिया : अशोक चक्रधर, मैकमिलन, दिल्ली।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

तृतीय प्रश्न–पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)

पूर्णांक 100

इकाई–1 (खण्ड क से) 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2 X 15 = 30

इकाई–2 (खण्ड ख से) 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2X 15 = 30

इकाई–3 (खण्ड क एवं खण्ड ख) 4 लघूत्तरी प्रश्न 4X7 = 28

इकाई–4 (खण्ड क एवं खण्ड ख) 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4X3 = 12

पाठ्य विषय

हिन्दी साहित्य का इतिहास :

खण्ड क

(क) इतिहास और इतिहास दर्शन।

(ख) हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

(ग) हिन्दी साहित्य का इतिहास–काल–विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण।

(घ) हिन्दी साहित्य– आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ–साहित्य, रासो–काव्य, जैन–साहित्य।

(ड.) हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, काल–सीमा, नामकरण, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाएं और रचनाकार।

खण्ड ख

(च) भक्तिकाल का सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक संदर्भ और भक्ति आन्दोलन, भक्तिकाल की विभिन्न धाराएं और प्रवृत्तियाँ।

(छ) रीतिकाल की परिस्थितियाँ, काल–सीमा और नामकरण, प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कवि–श्रेणियाँ और उनकी प्रवृत्तियाँ।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग।
3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता।
4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–1,2) : पं0विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्र0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल प्रयाग।
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना।
7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद।
9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्री कृष्णलाल, प्र0 हिन्दी परिषद प्रयाग।
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं0 डॉ0 नगेन्द्र।
11. हिन्दी गद्यशैली का विकास : डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद वर्मा, ना0प्र0 सभा, वाराणसी।
12. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली।
13. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पूर्णांक 100

इकाई–1 (खण्ड क से) 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2 X 15 = 30

इकाई–2 (खण्ड ख से) 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2X 15 = 30

इकाई–3 (खण्ड क एवं खण्ड ख) 4 लघूत्तरी प्रश्न 4X7 = 28

इकाई–4 (खण्ड क एवं खण्ड ख) 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4X3 = 12

पाठ्य विषय :

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) :

खण्ड क

(क) भारतेन्दु युग– प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और प्रवृत्तियाँ।

(ख) द्विवेदी युग– प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।

(ग) हिन्दी स्वच्छन्दतावादी चेतना का विकास– छायावादी काव्य–प्रमुख, साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।

खण्ड ख

(घ) छायावादोत्तर काव्य की विविध प्रवृत्तियाँ – प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नवगीत, समकालीन कविता।

(ड0) हिन्दी की प्रमुख गद्य विधाएँ (कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबन्ध एवं आलोचना) का विकास एवं प्रवृत्तियाँ।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग।
3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता।
4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–1,2) : पं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्र0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल प्रयाग।
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, (1600 से 1800) प्र0 लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्रीकृष्ण लाल, प्र0 हिन्दी परिषद्, प्रयाग।
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं0 डॉ0 नगेन्द्र।
11. हिन्दी गद्यशैली का विकास : डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद वर्मा, ना0प्र0 सभा, वाराणसी।
12. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली।
13. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

पंचम प्रश्न–पत्र

हिन्दी पत्रकारिता

पूर्णांक 100

इकाई–1 (खण्ड क से) 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2 X 15 = 30

इकाई–2 (खण्ड ख से) 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2X 15 = 30

इकाई–3 (खण्ड क एवं खण्ड ख) 4 लघूत्तरी प्रश्न 4X7 = 28

इकाई–4 (खण्ड क एवं खण्ड ख) 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4X3 = 12

पाठ्य विषय

खण्ड क

1. पत्रकारिता की अवधारणा, पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार, पत्रकारिता के उद्देश्य।
2. पत्रकारिता के मूल तत्व।
3. संपादन कला के सामान्य सिद्धान्त।
4. भेंटवार्ता के प्रकार तथा उनकी प्रविधि।
5. पत्रकारिता की आधुनिक विधायें– खोजी एवं विश्लेषणात्मक पत्रकारिता, फीचर लेखन एवं विशेषीकृत पत्रकारिता।
6. रिपोर्टिंग और सम्पादन की प्रक्रिया तथा विविध आयाम।
7. इलेक्ट्रानिक माध्यम और हिन्दी पत्रकारिता।
8. सूचना और कानून
   - क. श्रमजीवी पत्रकार कानून।
   - ख. प्रेस कमीशन 1 तथा 2
   - ग. प्रेस स्वतंत्रता सम्बन्धी अद्यतन कानून।
   - घ. प्रसार भारती।

खण्ड (ख)

1. हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।
2. हिन्दी के प्रमुख पत्र उदन्त मार्तण्ड, कविवचन सुधा, हिन्दी प्रदीप, ब्राहमण, सरस्वती, कर्मवीर, प्रताप, हंस, माधुरी, मतवाला।
3. प्रमुख सम्पादक : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, पं0 युगल किशोर सुकुल, बालकृष्ण भट्ट, पं0 माधव प्रसाद मिश्र, आचार्य, महावीर प्रसाद द्विवेदी, बाबूराव, विष्णुराव पराड़कर, गणेश शंकर विद्यार्थी, अज्ञेय, रघुवीर सहाय, धर्मवीर भारती।
4. हिन्दी साहित्यिक पत्रकारिता।
5. हिन्दी पत्रकारिता के वर्तमान संदर्भ, प्रवृत्तियाँ और समस्यायें।
6. हिन्दी पत्रकारिता के विकास की समस्याएँ।

—

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी पत्रकारिता, विविध आयाम : डॉ0 वेद प्रताप वैदिक, ने0प0 हाउस, नई दिल्ली।
2. हिन्दी पत्रकारिता : आलोचनात्मक इतिहास, डॉ0 रमेश कुमार जैन।

3. हिन्दी पत्रकारिता : डॉ0 रमेश चन्द्र त्रिपाठी।
4. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता : डॉ0 अर्जुन तिवारी, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास : डॉ0 अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. इतिहास निर्माता पत्रकार : डॉ0 अर्जुन तिवारी।
7. समाचार पत्र और सम्पादन कला : अम्बिका प्रसाद बाजपेयी।
8. पत्रकारिता के विविध संदर्भ : डॉ0 वंशीधर लाल।
9. संवाद और संवाददाता : डॉ0 राजेन्द्र।
10. समाचार संकलन तथा सम्पादन : डॉ0 रमेश जैन।
11. पत्रकारिता जनसंचार सिद्धान्त एवं व्यवहार : सं0 डॉ0 बलदेव राजगुप्त तथा पुरूषोत्तम, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी।
12. लोक सम्पर्क : राजेन्द्र, हरियाणा हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, चण्डीगढ़।
13. समकालीन पत्रकारिता : सं0 राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. जनसंचार विविध आयाम : बृजमोहन गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. हिन्दी पत्रकारिता : डॉ0 कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
16. हिन्दी पत्रकारिता के युग निर्माता : डॉ0 लक्ष्मीशंकर व्यास, व्यास प्रकाशन, वाराणसी।
17. पत्रकारिता के विविध रूप : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
18. प्रेस विधि : डॉ0 नन्दकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
19. भारत में प्रेस कानून और पत्रकारिता : गंगा प्रसाद, ठाकुर म0प्र0 हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)
प्रथम प्रश्न–पत्र
हिन्दी भाषा एवं लिपि

पूर्णांक 100

इकाई–1 (खण्ड क से) 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2 X 15 = 30
इकाई–2 (खण्ड ख से) 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2X 15 = 30
इकाई–3 (खण्ड क एवं खण्ड ख) 4 लघूत्तरी प्रश्न 4X7 = 28
इकाई–4 (खण्ड क एवं खण्ड ख) 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4X3 = 12

पाठ्य विषय :

खण्ड क

1. हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि – प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं – वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ– पालि, प्राकृत–शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।
2. हिन्दी का भौगोलिक विस्तार – हिन्दी की उपभाषाएँ पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उसकी बोलियाँ।

खण्ड ख

3 हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था–खड्य, खंड्येतर, हिन्दी शब्द रचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समास, रूप, रचना–लिंग, वचन और कारक – व्यवस्था के संदर्भ में, हिन्दी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप। हिन्दी वाक्य–रचना : पद क्रम और अन्वित।

4 हिन्दी के विविध रूप – सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

5. देवनागरी लिपि – विकास, गुण–दोष, मानकीकरण।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी भाषा : डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
2. एलीमेंट ऑफ साइंस ऑफ लैंग्वेज : आई0 जे0 सोरावगी, तारापुरवाला।
3. हिन्दी भाषा की संरचना : डॉ0 भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4 हिन्दी भाषा : डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया, साहित्य भवन, प्रा0लि0, इलाहाबाद।
5. हिन्दी संरचना का शैक्षिक स्वरूप : डॉ0 राजकमल पाण्डेय, विराट प्रकाशन, आगरा।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष, (चतुर्थ सेमेस्टर)
द्वितीय प्रश्न–पत्र
छायावादोत्तर काव्य (नागार्जुन, त्रिलोचन,शमशेर बहादुर सिंह, रघुवीर सहाय)

पूर्णांक 100

इकाई–1 2 व्याख्या – 2 X 12 = 24
इकाई–2 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2 X 18 = 36
इकाई–3 4 लघूत्तरी प्रश्न 4X7 = 28
इकाई–4 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4X3 = 12

पाठ्य ग्रंथ :

1. छायावादोत्तर प्रतिनिधि कवि और उनकी कविताएँ।
   सं0 डॉ0 शम्भुनाथ त्रिपाठी, प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।
   संकलन में संग्रहीत निम्नलिखित कवि–

(क) नागार्जुन
(ख) त्रिलोचन
(ग) शमशेर बहादुर सिंह
(घ) रघुवीर सहाय

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. नयी कविता और अस्तित्ववाद : डॉ0 रामविलास शर्मा, मैकमिलन, दिल्ली।
2. कविता के नये प्रतिमानः डॉ0 नामवर सिंह,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. आधुनिक हिन्दी कविता : सं0 जगदीश चतुर्वेदी, मैकमिलन, दिल्ली।
4. नागार्जुन की काव्य यात्रा : डॉ0 रतन कुमार पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. नई कविता का आत्म संघर्ष तथा अन्य निबन्ध : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिन्दी साहित्य का आधुनिक परिदृश्य : अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
7. नयी कविता के प्रतिमान–लक्ष्मीकान्त वर्मा, भारती प्रेस प्रा0 लि0, इलाहाबाद।
8. आधुनिक कविता की प्रवृत्तियाँ : डॉ0 नामवर सिंह।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)
तृतीय प्रश्न–पत्र
वैकल्पिक (विशेष अध्ययन)

टिप्पणी :

इस प्रश्न पत्र में आदि काव्य, संतकाय, सगुण भक्ति काव्य, रीति काव्य, समकालीन काव्य, आधुनिक कथा साहित्य, लोक साहित्य, प्रयोजन मूलक हिन्दी, भारतेन्दु हरिश्चंद्र, प्रेमचंद, प्रसाद, निराला के अध्ययन की व्यवस्था है। परीक्षार्थी इनमें से **कोई एक** विभागाध्यक्ष की अनुमति से ले सकता है।

वर्ग (क) आदि काव्य

पूर्णांक 100

इकाई–1 2 व्याख्या – 2 X 12 = 24
इकाई–2 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2X 18 = 36
इकाई–3 4 लघूत्तरी प्रश्न 4X7 = 28
इकाई–4 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4X3 = 12

पाठ्य ग्रन्थ :

1. संदेश रासक (केवल प्रथम प्रक्रम) : अदहमाण (अब्दुल रहमान), सं0 डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी तथा विश्वनाथ त्रिपाठी।
2. पुरानी हिन्दी के उदाहरणांश : द्वितीय भाग (केवल प्रारम्भ से 50 दोहे तक) पं0 चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो (केवल शशिव्रता समय) : सं0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, तथा डॉ0 नामवर सिंह, भारती भवन, इलाहाबाद।
4. कीर्तिलता और अवहट्ठ भाषा : डॉ0 शिवप्रसाद सिंह।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. अपभ्रंश व्याकरण : शालिग्राम उपाध्याय, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी।
2. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान : डॉ0 नामवर सिंह।
3. कीर्तिलता और अवहट्ट : डॉ0 शिव प्रसाद सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
4. पृथ्वीराज रासो की कथानक रूढ़ियाँ : डॉ0 ब्रजविलास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. अपभ्रंश साहित्य : हरिवंश कोछड, भारतीय साहित्य मन्दिर , दिल्ली।
6. अपभ्रंश व्याकरण : डॉ0 शिव सहाय पाठक, मध्य प्रदेश हिन्दी अकादमी, भोपाल।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)
तृतीय प्रश्न–पत्र
वर्ग (ख) सन्त काव्य

पूर्णांक 100

इकाई–1 2 व्याख्या – 2 X 12 = 24
इकाई–2 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2X 18 = 36
इकाई–3 4 लघूत्तरी प्रश्न 4X7 = 28
इकाई–4 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4X3 = 12

पाठ्य ग्रंथ :

1. संत काव्य संग्रह : नर्मदेश्वर चतुर्वेदी, नामदेव, कबीर (प्रारम्भ के 40 पद), रैदास, नानक, दादू दयाल, रज्जब, सुन्दर दास (छोटे) तथा पल्टू साहब लोक भारती, इलाहाबाद।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. उत्तर भारत की सन्त परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, प्रयाग।
2. मध्यकालीन धर्म साधना : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, ग्रंथालंकार कार्यालय, मुम्बई।
3. कबीर रत्नमाला : श्री पुरूषोत्तम लाल श्रीवास्तव, साहित्य कार्यालय, काशी।
4. मध्यकालीन संत साहित्य : डॉ0 रामखेलावन पाण्डेय, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
5. कबीर साहित्य की परख : पं0 परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, प्रयाग।
6. कबीर और कबीर पंथ : डॉ0 केदारनाथ द्विवेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
7. संत रैदास : डॉ0 योगेन्द्र सिंह।
8. नानक वाणी : जयराम मिश्र, इलाहाबाद।
9. दादूदयाल : जीवन, दर्शन काव्य : डॉ0 सत्यनारायण उपाध्याय, प्रभात कुमार उपाध्याय, कलकत्ता।
10. संत कवि दादू और उनका पंथ : डॉ0 वासुदेव शर्मा, शोध प्रबन्ध प्रकाशन, दिल्ली।
11. संत कवि दादू और उनका काव्य : भगवान व्रत मिश्र, दिनेश प्रकाशन कुटीर, अलीगढ़।
12. अपभ्रंश और हिन्दी में जैन रहस्यवाद : डॉ0 वासुदेव सिंह, समकालीन प्रकाशन, वाराणसी।
13. कबीर वाड्.मय (भाग–1,2,3) : डॉ0 जयदेव सिंह तथा डॉ0 वासुदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
14. संत काव्य रज्जबः सम्प्रदाय और साहित्य : ब्रजलाल, प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर।
15. सुन्दर विलास : सं0डॉ0 किशोरी लाल गुप्त, कल्याण दास एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी।
16 हिन्दी के निर्गुण काव्यधारा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि : डॉ0 गोविन्द त्रिगुणायत, प्र0 साहित्य निकेतन, कानपुर।
17. संत साहित्य की परख : पं0 परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
18. संत मत : डॉ0 प्रताप सिंह चौहान, ग्रन्थम, कानपुर।
19. संत साहित्य, पुनर्मूल्यांकन : डॉ0 राजदेव सिंह, आर्य बुक डिपो, दिल्ली।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)
तृतीय प्रश्न–पत्र
वर्ग (ग) सगुण भक्ति काव्य

पूर्णांक 100

इकाई–1 2 व्याख्या – 2 X 12 = 24
इकाई–2 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2X 18 = 36
इकाई–3 4 लघूत्तरी प्रश्न 4X7 = 28
इकाई–4 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4X3 = 12

पाठ्य ग्रन्थ :

1. विनय पत्रिका (71वें पद से 120 पद तक) : गोस्वामी तुलसीदास : गीता प्रेस गोरखपुर।
2. गीतावली– अयोध्याकाण्ड : गीता प्रेस, गोरखपुर।
3. संक्षिप्त सूरसागर : सं0 डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, (प्रारम्भ के 50 पद,) इलाहाबाद।
4. ब्रजमाधुरी सार : सं0वियोगी हरि (नन्ददास, परमानन्ददास, कुंभनदास, रसखान, नागरी दास) हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1 तुलसी संदर्भ और दृष्टि : सं0डॉ0 केशव प्रसाद सिंह एवं डॉ0 वासुदेव सिंह।
2 सगुण काव्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : डॉ0 रामनरेश वर्मा, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3 तुलसी काव्य मीमांसा : डॉ0 उदयभानु सिंह।
4 तुलसी के भक्त्यात्मक गीत : डॉ0 वचनदेव कुमार।
5 तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
6 राम काव्य : अनुसंधान एवं अनुचिंतन : डॉ0 भगवती प्रसाद सिंह।
7 हिन्दी साहित्य का अतीत (प्रथम भाग), पं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
8 सूरदास : नन्ददुलारे वाजपेयी।
9 नन्ददास और उनका भ्रमरगीत : डॉ0 स्नेहलता श्रीवास्तव।
10 अष्टछाप और बल्लभ सम्प्रदाय : डॉ0 दीनदयाल गुप्त।
11 कृष्ण भक्ति काव्य : डॉ0 जगदीश गुप्त।
12 कृष्ण भक्ति काव्य में सखि भाव : श्री शरण बिहारी शुक्ल।
13 श्रीहित हरिवंश सम्प्रदाय और साहित्य : ललित चरण गोस्वामी।
14 अष्टछाप परिचय : प्रभुदयाल मित्तल।
15 मानस अनुशीलन : सं0 शम्भुनाथ चौबे, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
16 तुलसी साहित्य में बिम्बयोजना, डॉ0 मुनीन्द्र तिवारी, काशी विद्यापीठ, वाराणसी।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)
तृतीय प्रश्न–पत्र
वर्ग (घ) रीति काव्य

पूर्णांक 100

इकाई–1 2 व्याख्या – 2 X 12 = 24
इकाई–2 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2X 18 = 36
इकाई–3 4 लघूत्तरी प्रश्न 4X7 = 28
इकाई–4 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4X3 = 12

पाठ्य ग्रंथ :

1. जगद् विनोद : पद्माकर, सं0पं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी।
2. रीति काव्य सार संग्रह : सं0 डॉ0 रामकुँवर राय, अमृत प्रकाशन, ईश्वरगंगी, वाराणसी।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रन्थ :

1. रीति काव्य की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र, गौतम बुक डिपो, दिल्ली।
2. हिन्दी साहित्य का वृहत् हतिहास : सं0 डॉ0 नगेन्द्र, खण्ड'–6, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. रीति काव्य : डॉ0 जगदीश गुप्त, प्र0 बासमती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4 चिंतामणि, कुलपति एवं श्रीपति का तुलनात्मक अनुशीलन : डॉ0 रामकुँवर राय, सावित्री प्रकाशन, वाराणसीं
5. देव और उनकी कविता : डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. हिन्दी साहित्य का अतीत भाग–2 : सं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी।
7. मतिराम : कवि और आचार्य : डॉ0 महेन्द्र कुमार।
8. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना : डॉ0 बच्चन सिंह, प्र0नागरी प्रचारिणी सभा,काशी।
9. मतिराम ग्रन्थावली : सं0 पं0 कृष्णबिहारी मिश्र, प्र0 नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
10 महाकवि मतिराम और मध्यकालीन हिन्दी कविता : डॉ0 त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
11. हिन्दी रीति साहित्य : डॉ0 भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. रीतिकालीन कवियों का काव्य : डॉ0 महेन्द्र कुमार।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

तृतीय प्रश्न–पत्र

वर्ग (ड.) समकालीन काव्य

पूर्णांक 100

इकाई–1 2 व्याख्या – 2 X 12 = 24

इकाई–2 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2X 18 = 36

इकाई–3 4 लघूत्तरी प्रश्न 4X7 = 28

इकाई–4 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4X3 = 12

पाठ्य ग्रंथ :

1. अंधायुग : डॉ0 धर्मवीर भारती।
2. समकालीन प्रतिनिधि कवि और उनकी कविताएं : सं0 डॉ0 शंभुनाथ त्रिपाठी, डॉ0 श्रद्धानंद, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रन्थ :

1. नई कविता का प्रतिमान : लक्ष्मीकान्त वर्मा।
2. नई कविता का प्ररिप्रेक्ष्य : डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तवं
3. प्रयोगवाद और नई कविता : डॉ0 शम्भूनाथ सिंह।
4. कविता के नये प्रतिमान : डॉ0 नामवर सिंह।
5. हिन्दी नवगीत का संक्षिप्त इतिहास : डॉ0 अवधेश नारायण मिश्र, आर्यभाषा संस्थान, वाराणसी।
6. नवगीत दशक : सं0 डॉ0 शम्भूनाथ सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. हिन्दी साहित्य का नया परिप्रेक्ष्य : स ही0 वात्स्यायन अज्ञेय।
8. नई कविता और उनका मूल्यांकन : डॉ0 सुरेश चन्द्र सहल।
9. आधुनिक कविता की प्रवृत्तियॉ : डॉ0 नामवर सिंह।
10. समसामयिक हिन्दी साहित्य : सं0 डॉ0 नरेन्द्र।
11. साक्षात् त्रिलोचन : सं0 कमलाकान्त द्विवेदी, सिद्धार्थ प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. नया हिन्दी काव्य और विवेचना : डॉ0 शम्भूनाथ चतुर्वेदी, प्र0 नन्दकिशोर एण्ड सन्स, वाराणसी।
13 .प्रगतिवाद : डॉ0 विजय शंकर मल्ल।
14. हिन्दी साहित्य का आधुनिक परिदृश्य : अज्ञेय, ने0प0 हाउस, दिल्ली।
15. लघु मानव के बहाने हिन्दी कविता पर एक बहसः विजयदेव नारायण शाही।
16. नई कविता का आत्म संघर्ष : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
17. समकालीन कविता की भूमिकाः विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, मैकमिलन, दिल्ली।
18. नये साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. हिन्दी नवगीत : सार्थक कृतियॉ : डॉ0 अवधेश नारायण मिश्र, आर्यभाषा संस्थान, वाराणसी।
20. जनवादी समझ और साहित्य : डॉ0 रामनारायण शुक्ल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
21 नागार्जुन की काव्य यात्रा : डॉ0 रतन कुमार पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
22. डॉ0 धर्मवीर भारती : व्यक्ति और साहित्यकार, पुष्पा भाष्कर अलका प्रकाशन, कानपुर।
23. धूमिल और उनका काव्य संघर्ष : डॉ0 ब्रह्मदेव मिश्र, लोक भारती, इलाहाबाद।
24. सर्वेश्वर का साहित्य– डॉ0 श्रद्धानन्द, अमृत प्रकाशन, वाराणसी।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)
तृतीय प्रश्न–पत्र
वर्ग (च) आधुनिक कथा साहित्य

पूर्णांक 100

इकाई–1 2 व्याख्या – 2 X 12 = 24
इकाई–2 2 निबंधात्मक प्रश्न – 2X 18 = 36
इकाई–3 4 लघूत्तरी प्रश्न 4X7 = 28
इकाई–4 4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4X3 = 12

पाठ्य ग्रंथ :

1. रंगभूमि : प्रेमचंद।
2. बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारी प्रसाद द्विवेदी।
3. मैला आंचल : फणीश्वर नाथ रेणु।
4. गिरमिटिया गांधी (छात्र सं0) गिरिराज किशोर।
5. महाभोज : मन्नू भण्डारी।
6. जिन्दगी नामा : कृष्णा सोबती।
7. प्रतिनिधि कहानियॉ : डॉ0 बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
   (व्याख्या– रंगभूमि, बाणभट्ट की आत्मकथा मैला आंचल, प्रतिनिधि कहानियॉ।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रन्थ :

1. कहानी का रचना विधान : डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
2. आधुनिक साहित्य : आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी।
3. प्रेमचन्द और उनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा।
4. प्रेमचन्द : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान।
5. आधुनिक कथा साहित्य और मनोविज्ञान : डॉ0 देवराज।
6. हिन्दी उपन्यास साहित्य और यथार्थवाद : डॉ0 त्रिभुवन सिंह।
7. हिन्दी उपन्यास साहित्य और आदर्शवाद : डॉ0 सर्वजीत राय।
8. आधुनिक कहानी का परिपार्श्व : डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)
तृतीय प्रश्न–पत्र
वर्ग (छ) लोक साहित्य

पूर्णांक 100

4 निबन्धात्मक प्रश्न– 4 x 15 = 60
4 लघूत्तरी प्रश्न– 4 x 7 = 28
4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4 x 3 = 12

पाठ्य ग्रंथ :

1. लोक साहित्य की परिभाषा : क्षेत्र और लोकवार्ता (लोक संस्कृति) और नागर साहित्य में अन्तर (लोक, साहित्य के प्रमुख संग्रहकर्ता भोजपुरी और लोक साहित्य की प्रमुख विशेषताएं)।
2. लोक साहित्य की वर्गीकरण : विभिन्न विद्वानों द्वारा किये गये वर्गीकरण का परिचय। प्रमुख भेद : (क) लोक गीत, (ख) लोक कथा (ग) लोक नाट्य (घ)लोक सुभाषित (ड.)लोक पहेली।
3. लोक गीत के विभिन्न रूपों का सोदाहरण विवेचन : (क) संस्कार गीत, (ख) ऋतृ एवं उत्सव गीत (ग) व्रत गीत, जाति गीत।
4. लोक कथा के विभिन्न रूप– वर्गीकरण और उदाहरण सहित विश्लेषण : लोकगीत, और लोक कथा में अन्तर, भोजपुरी और अवधी क्षेत्र की प्रमुख लोक गाथाओं का परिचय।
5. लोक कथा के विभिन्न रूपों का सोदाहरण विवेचन : वस्तु एवं शैली के आधार पर वर्गीकरण।
6. लोक नाट्य के विभिन्न भेद : भोजपुरी और अवधी क्षेत्रों के प्रमुख नाटक।
7. लोक सुभाषित की परम्परा और भेद, सोदाहरण विवेचन।
8. लोक पहेलियाँ, स्वरूप, भेद और महत्व।
9. लोक साहित्य का सांस्कृति एवं सामाजिक महत्व।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रन्थ :

1. लोक साहित्य विज्ञान : डॉ0 सत्येन्द्र।
2. लोक साहित्य विमर्श : डॉ0 श्याम परमार।
3. लोक साहित्य और संस्कृति : डॉ0 दिनेश्वर प्रसाद।
4. लोक साहित्य के प्रतिमान : डॉ0 कुन्दन लाल उप्रेती, ना0प्र0स0, काशी।
5. लोक जीवन और साहित्य : डॉ0 रामविलास शर्मा
6. हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास, 16वाँ भाग : डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय।
7. भारतीय लोक साहित्य : डॉ0 श्याम परमार।
8. अवधी का लोक साहित्य : डॉ0 सरोजनी रोहतगी।
9. भोजपुरी संस्कार गीत : डॉ0 विजय नारायण सिंह।
10. भोजपुरी लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय।
11. भोजपुरी लोक साहित्य का इतिहास : डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)
तृतीय प्रश्न–पत्र
वर्ग (ज) प्रयोजन मूलक हिन्दी

पूर्णांक 100

4 निबन्धात्मक प्रश्न– 4 x 15 = 60
4 लघूत्तरी प्रश्न– 4 x 7 = 28
4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4 x 3 = 12

पाठ्य ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी, परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र।
2. मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिन्दी – बोलचाल की सामान्य हिन्दी, सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, मानक हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी, संविधान में हिन्दी।
3. हिन्दी भाषा की सामाजिक शैलियाँ –
   हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी, मौलिक और लिखित हिन्दी, मानक हिन्दी की संकल्पना, हिन्दी का मानकीकरण।
4. हिन्दी के प्रयोग : क्षेत्र
   भाषा– प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ताक्षेत्र, वार्ता– प्रकार और वार्ता शैली के आधार पर हिन्दी के प्रमुख क्षेत्र, साहित्यिक हिन्दी बनाम प्रयोजन मूलक हिन्दी का प्रयोजन एवं उसकी उपयोगिता।
5. प्रयोजन मूलक हिन्दी के मुख्य आयाम – ज्ञान साहित्य की हिन्दी, कार्यालयीय हिन्दी, वैज्ञानिक हिन्दी, वृत्तिपरक हिन्दी, व्यावहारिक हिन्दी, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी हिन्दी।
6. भाषा व्यवहार –
   सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा–लेखन, सरकारी व्यावहारिक हिन्दी में सार–लेखन, हिन्दी में पारिभाषिक शब्द–निर्माण की प्रवृत्तियाँ, विज्ञान प्रस्तुति, वृत्तिपरक लेखन।
7. अनुवाद –
   स्वरूप एवं व्यापक संदर्भ, अनुवाद–प्रक्रिया, अनुवाद की सीमाएँ, अनुवाद का अनुप्रयुक्त पक्ष।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रन्थ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
2. प्रयोजन मूलक हिन्दी : संरचना एवं अनुप्रयोग : डॉ0 रामप्रकाश एवं डॉ0 दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी : डॉ0 कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त एवं व्यवहार : रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।
5. प्रशासन में राजभाषा हिन्दी : डॉ0 कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्लीं
6. व्यावसायिक हिन्दीः डॉ0 दिलीप सिंह, संजय बुक सेण्टर, वाराणसी।
7. कार्यालय कार्यविधि : रामचन्द्र सिंह 'सागर, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।
8. विविधकार्य निर्देशिका : सं0 डॉ0 नारायण दत्त पालीवाल एवं चन्द्रभान गर्ग, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. राजभाषा सहायिका : अवधेश मोहन गुप्त, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

10. प्रशासनिक पत्राचार : सं0 सुरेश कुमार, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
11. प्रशासनिक कामकाजी शब्दावली : डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. हिन्दी का सामाजिक संदर्भ : सं0 डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं डॉ0 रमानाथ सहाय, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
13. व्यावहारिक हिन्दी रचना : कृष्ण कुमार गोस्वमी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. अनुवाद विज्ञान : सं0 डॉ0 नगेन्द्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन, निदेशालय, नई दिल्ली।
15. अनुवाद : सिद्धान्त और समस्याएँ : सं0डॉ0 रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव तथा कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन दिल्ली।
16. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा : डॉ0 सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
17. अनुवाद विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, नई दिल्ली।
18. अनुवाद कला : डॉ0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, नई दिल्ली।
19. अनुवाद विज्ञान : सं0 डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
20. कार्यालयीय अनुवाद की समस्याएँ : सं0 डॉ0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, नई दिल्ली।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)
तृतीय प्रश्न–पत्र
वर्ग (झ) भारतेन्दु

पूर्णांक 100

4 निबन्धात्मक प्रश्न– 4 x 15 = 60
4 लघूत्तरी प्रश्न– 4 x 7 = 28
4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4 x 3 = 12

पाठ्य ग्रंथ :

1. भारतेन्दु के निबन्ध : सं0 डॉ0 केशरीनारायण शुक्ल, प्रकाशन, सरस्वती मन्दिर, वाराणसी।
2. भारतेन्दु ग्रन्थावली भाग–1, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (भारत दुर्दशा, वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति, नीलदेवी, चन्द्रावली)
3. भारतेन्दु ग्रन्थावली भाग–2 नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (प्रेममालिका, प्रेस सरोवर प्रेम माधुरी, प्रेमाश्रुवर्षन, प्रेम प्रलाप, कृष्ण चरित्र माला)।

अनुमोदित संदर्भ ग्रन्थ :

1. भारतेन्दु और उनके सहयोगी : डॉ0 किशोरी लाल गुप्त, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।
2. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा : डॉ0 राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. पत्र–पत्रिकाओं का इतिहास : डॉ0 रामरतन भटनागर।
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद प्रयाग।
5. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)
तृतीय प्रश्न–पत्र
वर्ग (ञ) प्रेमचंद

पूर्णांक 100

4 निबन्धात्मक प्रश्न– 4 x 15 = 60
4 लघूत्तरी प्रश्न– 4 x 7 = 28
4 अतिलघूत्तरी प्रश्न–4 x 3 = 12

पाठ्य ग्रंथ

उपन्यास	:	1. सेवा सदन, 2.प्रेमाश्रम, 3.रंगभूमि, 4.कर्मभूमि।
नाटक	:	कर्बला।
निबंध	:	साहित्य का उद्देश्य, (सं0 सत्य प्रकाश मिश्र), लोक भारती, इलाहाबाद।
कहानियाँ	:	कफन, पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, नशा, सवा सेर गेहूँ, सद्गति, मनोवृत्ति, ठाकुर का कुँआ, रामलीला, पंचपरमेश्वर, ईदगाह, लाटरी, दूध का दाम, दो बैलों की कथा।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रन्थ :

1. प्रेमचंद घर में : शिवरानी देवी।
2. प्रेमचंद : एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान।
3. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा।
4. प्रेमचंद : कलम का सिपाही : अमृतराय।
5. प्रेमचंद : मदन गोपाल।
6. प्रेमचंद : जीवन,कला एवं कृतित्व : हंसराज रहबर।
7. प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन : नंदुलारे वाजपेयी।
8. कथाकार प्रेमचंद : मन्मथनाथ गुप्त।
9. प्रेमचंद : एक अध्ययन : राजेश्वर गुरू।
10. प्रेमचंद की उपन्यास कला : जनार्दन प्रसाद राय।
11. प्रेमचंद एवं भारतीय किसान : रामवृक्ष।
12. प्रेमचंद : गंगा प्रसाद विमल।
13. प्रेमचंद के साहित्य सिद्धान्त : नरेन्द्र कोहली।
14. प्रेमचंद : एक कला व्यक्तित्व : जैनेन्द्र।
15. प्रेमचंद स्मृति : सं0 अमृतराय।
16. प्रेमचंद : चिन्तन और कला : सं0 इन्द्रनाथ मदान।
17. प्रेमचंद और गोर्की : श्री मधु, प्रगति प्रकाशन, मास्को।
18. हिन्दी उपन्यास : विशेषतः प्रेमचंद : नलिन विलोचन शर्मा।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष चतुर्थ–सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न–पत्र
वर्ग (ट) जयशंकर प्रसाद

पूर्णांक 100

4 निबन्धात्मक प्रश्न– 4 x 15 = 60
4 लघूत्तरी प्रश्न– 4 x 7 = 28
4 अतिलघूत्तरी प्रश्न– 4 x 3 = 12

पाठ्य ग्रंथ :

1. आँसू (सम्पूर्ण)
2. लहर–(प्रलय की छाया, अशोक की चिन्ता, पेशोला की प्रतिध्वनि, शेरसिंह का शस्त्र–समर्पण)
3. स्कन्दगुप्त।
4. जनमेजय का नागयज्ञ।
5. कामना।
6. ध्रुवस्वामिनी।
7. कंकाल।
8. तितली।
9. कहानी : पुरस्कार, देवदासी, बिसाती, आंधी, मधुआ,, आकाशदीप, सलीम, देवरथ।
10. काव्य कला तथा अन्य निबन्ध।

–

अनुमोदित संदर्भ ग्रन्थ :

1. जयशंकर प्रसाद : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी।
2. नया साहित्य : नये प्रश्न : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, मैकमिलन, नई दिल्ली।
3. जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला : डॉ0 रामेश्वर खण्डेलवाल।
4. प्रसाद और उनका साहित्य : विनोद शंकर व्यास।
5. प्रसाद का काव्य : डॉ0 प्रेमशंकर, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
6. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
7. प्रसाद का जीवन और साहित्य : डॉ0 रामरतन भटनागर।
8. हिन्दी नाटक : डॉ0 बच्चन सिंह।
9. प्रसाद का गद्य साहित्य : डॉ0 राजमणि शर्मा।
10. प्रसाद : दुखान्त नाटक : रामकृष्ण शुक्ल श्रीमुख।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)
तृतीय प्रश्न–पत्र
वर्ग (ठ) निराला

पूर्णांक 100

4 निबन्धात्मक प्रश्न– 4 x 15 = 60
4 लघूत्तरी प्रश्न– 4 x 7 = 28
4 अतिलघूत्तरी प्रश्न– 4 x 3 = 12

पाठ्य ग्रंथ :

काव्य : 1. अनामिका, 2. गीतिका, 3. तुलसीदास, 4. नये पत्ते।
कथा साहित्य : 1. बिल्लेसुर बकरिहा, 2. कुल्ली भाट, 3. चतुरी चमार, 4. देवी।
निबन्ध : प्रबन्ध प्रतिमा।

—

अनुमोदित संदर्भ ग्रन्थ :

1. निराला की साहित्य साधना –भाग –1, 2, 3 : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली।
2. निराला : आत्महन्ता आस्था : दूधनाथ सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद।
3. क्रान्तिकारी कवि निराला : डॉ0 बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. निराला के पत्र : जानकी वल्लभ शास्त्री।
5. महाकवि निराला : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी।
6. निराला : डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
7. छायावाद : डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली।
8. नवजागरण और छायावाद : डॉ0 महेन्द्र राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)
चतुर्थ प्रश्न–पत्र

निबंध

पूर्णांक 100

2 **निबन्ध** – 50 X 2 = 100

साहित्यिक निबन्ध :

हिन्दी साहित्य के इतिहास की विभिन्न प्रवृत्तियाँ, हिन्दी के विशिष्ट रचनाकारों, समीक्षकों, समीक्षा सिद्धान्तों, साहित्य और भाषा की विशिष्ट समस्याओं से सम्बद्ध निबन्ध पूछे जायेंगे। किन्ही **दो निबंधों** का उत्तर लिखना है।

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. **साहित्यिक निबंध** – डॉ0 त्रिभुवन सिंह तथा डॉ0 विजय बहादुर सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. **साहित्यिक निबंध** – गणपति चंद्र गुप्त।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)
पंचम प्रश्न–पत्र

मौखिकी

पूर्णांक 100

परीक्षक द्वारा पाठ्यक्रम से संबंधित प्रश्न किये जायेंगे जिसका उत्तर परीक्षार्थी मौखिक रूप से देगें।